यूपीईएस ने यूहैकथॉन 4.0 के विजेताओं की हुई घोषणा

भास्कर समाचार सेवा

देहरादून। यूपीईएस का प्रमुख कार्यक्रम यूहैकथॉन 4.0 का चौथा संस्करण, 24 घंटे के कोडिंग मैराथन के साथ 2 सितंबर, 2023 को संपन्न हुआ। कार्यक्रम एक उद्घाटन समारोह के साथ शुरू हुआ, जिसमें डीजीपी अशोक कुमार, प्रकाश, टीआईई देहरादून के संस्थापक और निदेशक डॉ. प्रदीप सिंह, राज्य प्रमुख, यूएनडीपी जैसे जाने माने व्यक्ति उपस्थित थे।

यूपीईएस स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस विभाग के डीन डॉ. रवि एस अय्यर के नेतृत्व में आयोजित, इस वर्ष की थीम 'मेटावर्स' के अवधारणा पर केंद्रित थी। टेक्निकल इनोवेशन और सहयोग की ज़रूरतों को बताने और दिखने के लिए, इवेंट में इंडिया ब्लॉकचेन एलायंस, मेटावर्स, एक्सआर कॉउचर जैसे उद्योग जगत के दिग्गजों से समस्या से जुड़े वक्तव्य प्राप्त किए गए। इस आयोजन ने वास्तव में एक वैश्विक अभिसरण का प्रदर्शन किया, जिसमें भारत के हर कोने और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं तक पहुंचने वाले 1,200 से अधिक प्रतिभागियों के विभिन्न समूह को आकर्षित किया गया। 350 से अधिक टीमें थीं, जिनमें से प्रत्येक ने मेटावर्स थीम द्वारा दिए गए/उत्पन्न जटिल चुनौतियों को सुलझाने के लिए दृढ़ संकल्प किया था। समर्थन और मार्गदर्शन प्रदान करते हुए, जूरी पैनल में एप्पल के वरिष्ठ सॉफ्टवेयर इंजीनियर शुभम पटेल, रजत जैन, सॉफ्टवेयर डेवलपर, माइक्रोसॉफ्ट; सुभेंदु रंजन मिश्रा और अंशुल वार्ष्णेय, बीपी; बास्टिन रॉबिन्स, सीटीओ और क्लेवरइनसाइट के मुख्य वैज्ञानिक; अलर्ट एंटरप्राइज में उत्पाद ज्ञान और समाधान इंजीनियरिंग के वरिष्ठ निदेशक पीयूष जोशी; अंकुश मिश्रा, डिप्टी एसपी, साइबर और वित्तीय धोखाधड़ी, उत्तराखंड पुलिस; गुड गुड पिग्गी की सीईओ और संस्थापक पूर्वा अग्रवाल; और श्रेयान मेहता, असंभव में प्रोजेक्ट डिलीवरी मैनेजर, शामिल थे। उद्योग और शैक्षणिक विशेषज्ञों के एक प्रतिष्ठित पैनल द्वारा कठोर मूल्यांकन के बाद, 25 राष्ट्रीय टीमें और 5 अंतर्राष्ट्रीय टीमें फाइनलिस्ट के रूप में उभरीं। दूसरी रनर-अप जीएलए यूनिवर्सिटी की टीम थी, पहली रनर-अप टीएचडीसी इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रो पावर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की टीम थी और राष्ट्रीय टीम पुरस्कारों के लिए विजेता का खिताब यूपीईएस, देहरादून की टीम हाइपरकिन ने जीता।

2nd RUNNER UP
WINNER
1st RUNNER UP

यूपीईएस के यूहैकथॉन 4.0 के विजेता।